बछड़ी होने की खुशी, लड़की होने का दुःख

तसलीमा नसरीन

घर में बहू को लड़की हुई है, सुनकर प्रसूति गृह के बाहर इंतजार कर रही वृद्धा मुंह घुमाकर चली गई, लेकिन उसी घर में जब उसकी गाय बछिया को जन्म दती है, तब वही वृद्धा कहती है, "भगवान ने इतने दिनों बाद हमारी सुन ली।" उस वक्त कितनी खुश होती है वह। लड़की जाति के जन्म लेने पर परिवार के लोग दुःखी होते हैं, लेकिन मादा जानवर के जन्म लेने पर खुशी से फूले नहीं समाते। इसका अर्थ है परिवार में लड़की जात की कीमत पशुओं से भी कम है। □